

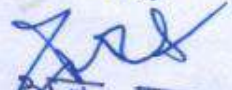
3-4-20
1-6-20

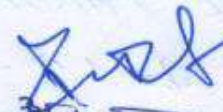
मोठे महानिचेकें २॥॥ अविनाश आठ
विद्यमान (विद्यमान) /
दि 18-6-20

10/06/2020

अनिवेद्य के अवलोकन के विधि हेतु हैं कि
यह वाद काव्यान्वित है चुका है,

कार्यवाही समाप्त की जाती है, अतः वाद की
वेबसाइट


अनु. क०५१०
जि.सी.ए.


अनु. क०५१०
जि.सी.ए.